

(ब) यदि हां, तो उनका ध्यौरा क्या है औ उनके बारे में सरकार की क्या प्रति-धिया है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या अरण कुमल) : (क) इस विषय में कुछ संस्थाओं से अध्यावेदन प्राप्त हुए हैं ।

(ख) और (घ) सदन के पटल पर एक विवरण रख दिया गया है । [पुरतकालय में रख दिया गया । देखिये संख्या LT 994/67]

(ग) जी हां ।

हिन्दी में उत्तर

- *1108. श्री मोल्लू प्रसाद :
श्री महााराज सिंह भारती :
श्री निहाल सिंह :
श्री शिव पुजन शास्त्री :
श्री प्रकाशशरिर शास्त्री :
श्री रामाचतार शर्मा :
श्री भालू दास :
श्री हुकम चन्ध कक्षिपाय :
श्री रघुशरिर सिंह शास्त्री :
श्री यशवन्त सिंह कुसवाहा :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री अर्जुन सिंह भवौरिया :

क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेगे कि :

(क) क्या संघ लोक सेवा प्रायोग के सोलहवें प्रतिवेदन में यह लिखा गया है कि एक उम्मीदवार को जिसने अपने उत्तर हिन्दी में लिखे थे उन प्रश्न-पत्रों में शुन्यांक दिया गया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार ने इस कार्यवाही को उचित ठहराया है ;

(ग) यदि हां, तो संविधान का इस प्रकार उल्लंघन किये जाने के क्या कारण हैं ;

(घ) क्या संघ लोक सेवा प्रायोग की परीक्षा के लिये सरकार का विचार अंग्रेजी के वैकल्पिक माध्यम के रूप में हिन्दी को रखने का है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो ऐसा न करने के क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री यशवन्तराज बन्धुल) : (क) से (ग) सदन के समा-पटल पर एक विवरण रख दिया गया है । [पुरतकालय में रख दिया गया । देखिये संख्या LT—995/67]

(घ) और (ङ) भारत सरकार ने प्रायोग द्वारा ली जाने वाली सभी प्रथिल भारतीय तथा उच्चतर केन्द्रीय सेवा परीक्षाओं के लिए अंग्रेजी के साथ संविधान की आठवी अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाओं को वैकल्पिक माध्यम के रूप में लागू करने का विचार किया है । यह कार्य परीक्षाओं की योजना प्रक्रिया सम्बन्धी पहलुओं तथा इस परिवर्तन को लागू करने के समय प्रादि के सम्बन्ध में प्रायोग की सलाह प्राप्त होने के बाद किया जाएगा ।

अन्वमान द्वीप समूह में वेतन-क्रम तथा सेवा की शर्तें

- *1109. डा० सुबं प्रकाश पुरी :
श्री भालू दास :
श्री प्रकाशशरिर शास्त्री :
श्री यशवन्त सिंह कुसवाहा :
श्री शिव कुमार शास्त्री :

क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेगे कि :

(क) क्या अन्वमान द्वीप समूह में विभिन्न पदों के वेतन-क्रम तथा सेवा-शर्तें मुख्य भूमि में समतुल्य पदों के वेतन-क्रमों तथा सेवा की शर्तों से भिन्न हैं ;

(ख) क्या ये द्वीप समूह संघ लोक सेवा प्रायोग के क्षेत्राधिकार में आते हैं ; और